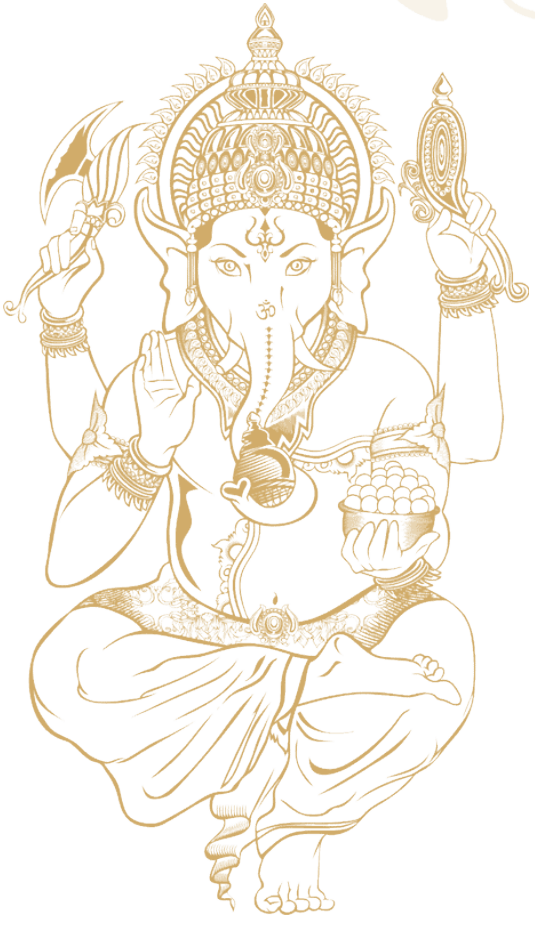

Himanshu Kumar

07 Jul 1995

07:45 AM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121458103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/07/1995**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:45:00 घंटे**
इष्ट	07:06:59 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:05:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:46 घंटे
साम्पातिक काल	03:03:24 घंटे
सूर्योदय	04:54:12 घंटे
सूर्यास्त	18:35:03 घंटे
दिनमान	13:40:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:44:08 मिथुन
लग्न के अंश	26:53:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	26:53:16	315:18:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मिथु	20:44:08	00:57:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	06:44:48	13:54:57	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	27:57:52	00:33:48	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	00:38:36	01:25:36	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	12:47:38	00:04:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	08:25:31	01:13:24	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		मीन	00:57:16	00:00:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु			तुला	08:57:13	00:00:06	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	08:57:13	00:00:06	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:16:35	00:02:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:38:14	00:01:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:18:01	00:01:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	24:30:59	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:49

लग्न-चलित

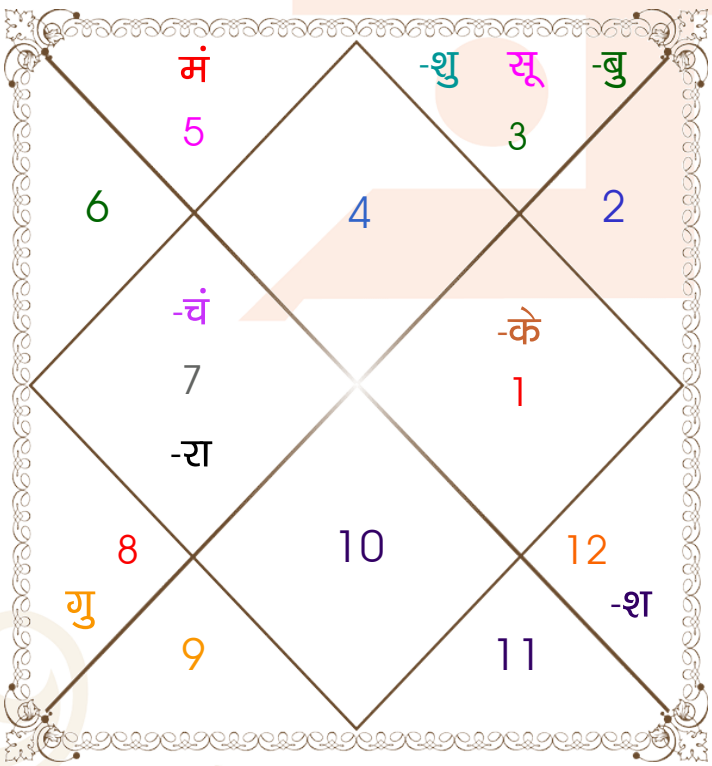

चन्द्र कुंडली

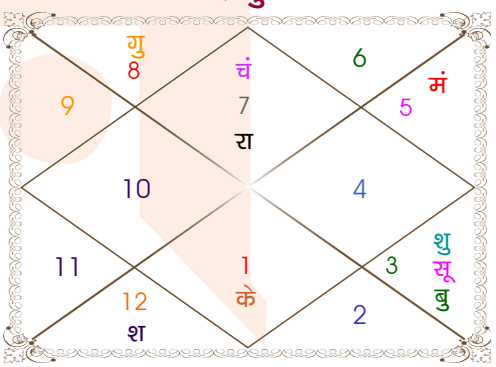

नवमांश कुंडली

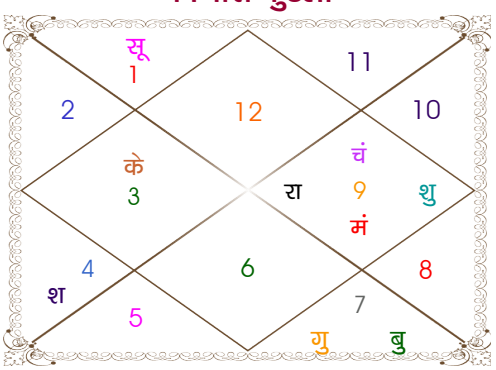

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 10 मास 21 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/07/1995		28/05/2013		28/05/2029		28/05/2048		28/05/2065	
28/05/2013		28/05/2029		28/05/2048		28/05/2065		28/05/2072	
राहु	08/02/1998	गुरु	16/07/2015	शनि	31/05/2032	बुध	24/10/2050	केतु	24/10/2065
गुरु	03/07/2000	शनि	26/01/2018	बुध	08/02/2035	केतु	22/10/2051	शुक्र	24/12/2066
शनि	10/05/2003	बुध	03/05/2020	केतु	19/03/2036	शुक्र	21/08/2054	सूर्य	01/05/2067
बुध	27/11/2005	केतु	09/04/2021	शुक्र	19/05/2039	सूर्य	28/06/2055	चंद्र	30/11/2067
केतु	15/12/2006	शुक्र	09/12/2023	सूर्य	30/04/2040	चंद्र	26/11/2056	मंगल	27/04/2068
शुक्र	15/12/2009	सूर्य	26/09/2024	चंद्र	30/11/2041	मंगल	24/11/2057	राहु	16/05/2069
सूर्य	09/11/2010	चंद्र	26/01/2026	मंगल	08/01/2043	राहु	12/06/2060	गुरु	22/04/2070
चंद्र	09/05/2012	मंगल	02/01/2027	राहु	14/11/2045	गुरु	18/09/2062	शनि	31/05/2071
मंगल	28/05/2013	राहु	28/05/2029	गुरु	28/05/2048	शनि	28/05/2065	बुध	28/05/2072

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/05/2072		28/05/2092		28/05/2098		29/05/2108		29/05/2115	
28/05/2092		28/05/2098		29/05/2108		29/05/2115		00/00/0000	
शुक्र	27/09/2075	सूर्य	14/09/2092	चंद्र	29/03/2099	मंगल	25/10/2108	राहु	08/07/2115
सूर्य	26/09/2076	चंद्र	16/03/2093	मंगल	28/10/2099	राहु	12/11/2109		00/00/0000
चंद्र	28/05/2078	मंगल	22/07/2093	राहु	28/04/2101	गुरु	19/10/2110		00/00/0000
मंगल	28/07/2079	राहु	15/06/2094	गुरु	28/08/2102	शनि	28/11/2111		00/00/0000
राहु	28/07/2082	गुरु	04/04/2095	शनि	29/03/2104	बुध	24/11/2112		00/00/0000
गुरु	28/03/2085	शनि	16/03/2096	बुध	28/08/2105	केतु	22/04/2113		00/00/0000
शनि	28/05/2088	बुध	20/01/2097	केतु	29/03/2106	शुक्र	23/06/2114		00/00/0000
बुध	29/03/2091	केतु	28/05/2097	शुक्र	28/11/2107	सूर्य	28/10/2114		00/00/0000
केतु	28/05/2092	शुक्र	28/05/2098	सूर्य	29/05/2108	चंद्र	29/05/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।